भजन

तर्ज..दूर रह कर ना करो बात
हुई उनसे जो मुलाकात बयां कैसे करूँ
की इशारों में वो जो बात बयां कैसे करूँ

1 पिया नैनों ने कुछ ऐसे करामात किए
सुध रही ना खुद की नैनों के वो बाण चले
चार नैनों की खैंचतान बयां कैसे करूँ
लाल डोरों के वो तूफान बयां कैसे करुं

2 जाने अनजाने पिया ने पुकारा मुझको
कोमल अँगुलियों से किया है इशारा मुझको
इश्के नजरों से जो देखा वो बयां कैसे करूँ
नैनों से सैन हुई जो वो बयां कैसे करूँ

3 वाणी सुन पीयू की खिंचती चली गयी उन तक
हाथों में हाथ पकड़ के न दी कुछ भी मोहलत
नैनों से नैनों की हुई बात बयां कैसे करूँ
बिछ गयी इश्क की वो बिसात बयां कैसे करूँ
हुई उनसे जो मुलाकात...